RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 293
दि. 24.02.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'पीएम मोदी भारत के भविष्य के एआई आर्किटेक्ट', तमिलनाडु भाजपा का राहुल गांधी को जवाब

(जीएनएस)।

एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखी टिप्पणी करते हुए तमिलनाडु भाजपा ने राहुल गांधी की तीखी आलोचना की है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस अभी भी पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम से चिपकी हुई है। पीएम मोदी भारत के एआई भविष्य के आर्किटेक्ट हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को घेरते हुए भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि उनके पास रचनात्मक टेक्नोलॉजी विजन का अभाव है। इसलिए वे विघटनकारी राजनीति में लगे हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबा पोस्ट किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के भविष्य का 'एआई आर्किटेक्ट' बताया, जबकि राहुल और कांग्रेस को शर्मनाक अप्रचलित वायरस बताया।

उन्होंने लिखा, 'भारत के पुनरुत्थान के डिजिटल युग में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी 'वेव्स समिट' और 'एआई इम्पैक्ट समिट' दो प्रकाश स्तंभों की तरह चमक रहे हैं, जो अभूतपूर्व शक्ति से 'ऑरेंज इकोनॉमी' को प्रज्वलित कर रहे हैं। ये शक्ति-संचार एआई की असीम संभावनाओं को खोलते हुए युवाओं और क्रिएटिव कोडर्स को सशक्त बना रहे हैं, ताकि वे ऐसा भविष्य तैयार कर सकें जहां नवाचार

देश की ग्रोथ को आगे बढ़ाए।'

एएनएस प्रसाद ने कहा, 'भारतीय छात्रों और युवाओं ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' के नजरिए से लीडरशिप को समझा है कि पीएम मोदी दूरदर्शिता और प्रगतिशील सोच के साथ भारत को वैश्विक एआई प्रभुत्व की ओर अग्रसर कर रहे हैं। साथ ही, वे समावेशी नवाचार, नैतिक ढांचे और युवा सशक्तिकरण के माध्यम से वे रचनात्मक प्रतिभाओं को आर्थिक शक्ति में बदल रहे हैं।'

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि यह समिट पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व कौशल का उदाहरण है, जो यह वैश्विक सहयोग, युवा मंच और पॉलिसी एक्सेलरेटर क्रिएटिविटी को नई गति देता है। एनीमेशन, गेमिंग और डिजाइन जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन के माध्यम से भारत वैश्विक नवाचार केंद्रों को चुनौती दे रहा है।

कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष को निशाने पर लेते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा, 'राहुल गांधी ऐसे उदाहरण के रूप में सामने आते हैं कि नेतृत्व कैसा नहीं होना चाहिए। वे विघटनकारी और पुरानी सोच से ग्रस्त हैं और भारत की तकनीकी आकांक्षाओं को कमजोर करते हैं। वे पुराने सिस्टम की गलतियों, रुके हुए अपडेट और लगातार क्रैश जैसे हालात के जरिए डिजिटलीकरण की बजाय विभाजन को बढ़ावा देते हुए दिखाई देते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पुराने ओएस (ऑपरेटिंग सिस्टम) से चिपकी हुई है, जो विकास के बजाय व्यवधान को प्राथमिकता देता है और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले अपने कैडर का बचाव करती दिखाई देती है। यह दुर्भावनापूर्ण है, जो पार्टी के वायरस से भरे कोर को सामने लाता है, और बिना सोचे-समझे विरोध, बेबुनियाद तोड़फोड़ और व्यवधान से भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।'

एएनएस प्रसाद ने कहा, 'भारत के युवा मानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी 'भविष्य के आर्किटेक्ट' हैं, जबकि राहुल और कांग्रेस कल की नाकामियों की निशानी हैं।

गुयाना के उपराष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की

भारत और गुयाना के उपराष्ट्रपतियों ने प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की

दोनों देशों ने विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

(जीएनएस)।

गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव ने आज नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

बातचीत में दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-गुयाना संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। डॉ. जगदेव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और यूपीआई के माध्यम से डिजिटल संचालन और वित्तीय समावेशन में भारत की तीव्र प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने गुयाना में भी इसी तरह के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना

मॉडल को लागू करने की संभावना पर चर्चा की।

बातचीत में स्वास्थ्य सेवा प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन, कृषि अनुसंधान और दोनों देशों के बीच संपर्क तथा लॉजिस्टिक्स में सुधार के क्षेत्र में सहयोग शामिल था। दोनों उपराष्ट्रपतियों ने सूचना प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, शिक्षा, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में संभावित साझेदारियों पर भी विचार-विमर्श किया।

गुयाना के प्रतिनिधिमंडल ने क्षमता निर्माण और कौशल विकास के अवसरों के रूप में भारत के ई-माइग्रेट प्लेटफॉर्म और भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम में रुचि व्यक्त की।

राजाजी की प्रतिमा का अनावरण औपनिवेशिक प्रभाव के अवशेषों को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने राजाजी उत्सव को देश के महान सपूत श्री सी. राजगोपालाचारी को उचित सम्मान बताया

औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्ति का देश का सफर कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक सतत बदलाव है: उपराष्ट्रपति

'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति' की दृष्टि से किए गए बदलाव मात्र प्रतीकात्मक नहीं हैं;

विश्व में लोकतांत्रिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम

लोक सभा अध्यक्ष ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया

60 से अधिक देश, एक सोच: अंतर-संसदीय रिश्तों को और मजबूत करने के लिए लोक सभा अध्यक्ष की पहल

दलीय राजनीति से ऊपर: मैत्री समूहों के गठन की लोक सभा अध्यक्ष की पहल में सभी दलों की भागीदारी, लोकतंत्र की मजबूती का परिचय

लोक सभा अध्यक्ष ने विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं को मैत्री समूहों की जिम्मेदारी सौंपी, 60 से अधिक देशों के सामने भारत के लोकतंत्र की विविधता को रेखांकित किया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की बहुदलीय पहल को आगे बढ़ाते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने संसदीय मैत्री समूहों को औपचारिक रूप दिया

वैश्विक रिश्तों को मजबूती: पहले चरण में 60 से ज्यादा देशों के साथ मैत्री समूह स्थापित, जल्द ही और देशों के साथ होगा मैत्री समूहों का गठन

(जीएनएस)।

दुनिया के देशों के साथ भारत के संसदीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत की संसद विश्व की विभिन्न संसदों के साथ प्रत्यक्ष और नियमित संवाद बढ़ाना चाहती है, ताकि पारंपरिक राजनय के साथ-साथ संसदीय स्तर पर भी मजबूत संबंध बने रहें ।

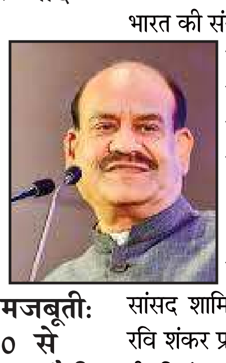

इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। वरिष्ठ नेताओं में श्री रवि शंकर प्रसाद, डॉ. एम. थंबीदुरई, श्री पी. चिदंबरम, प्रो. राम गोपाल यादव, श्री टी.आर. बालू, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, श्री गौरव गोगोई, सुश्री कनिमोझी करुणानिधि, श्री मनीष तिवारी, श्री डेरेक ओ'ब्रायन, श्री अभिषेक बनर्जी, श्री असादुद्दीन ओवैसी, श्री अखिलेश यादव, श्री के.सी. वेणुगोपाल, श्री राजीव प्रताप रूडी, सुश्री सुप्रिया सुले, श्री संजय सिंह, श्री बैजयंत पांडा, डॉ. शशि थरूर, डॉ. निशिकांत दुबे, श्री अनुराग सिंह ठाकुर, श्री भर्तृहरि महताब, डॉ. (सुश्री) डी. पुरंदेश्वरी, श्री संजय कुमार झा, सुश्री हेमा मालिनी, श्री बिप्लब कुमार देब, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, श्री जगदंबिका पाल, डॉ. सस्मित पात्रा, सुश्री अपराजिता सारंगी, श्री श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी और श्री प्रफुल्ल पटेल सहित कई अन्य नेता शामिल हैं।

जिन देशों के साथ ये मैत्री समूह बनाए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इजराइल, मालदीव, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संसद, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राजील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

भारत की राष्ट्रपति ने चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया और राष्ट्रपति भवन में आयोजित राजाजी उत्सव में शिरकत की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मुः "वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, राजाजी जैसे व्यक्तित्व अपने विचारों और आदर्शों से हमें प्रेरित करते हैं"

राजाजी उत्सव के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी 24 फरवरी से 1 मार्च तक आम जनता के लिए खुली रहेगी

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 फरवरी, 2026) को राष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति की उपस्थिति में स्वतंत्र भारत के प्रथम और एकमात्र भारतीय गवर्नर जनरल श्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने अशोक मंडप के पास स्थित भव्य सीढ़ी पर स्थापित सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा ने एडविन लुटियंस की प्रतिमा का स्थान लिया है। यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता के निशानों को मिटाने और भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और शाश्वत परंपराओं को गर्व से अपनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की श्रृंखला का एक हिस्सा है।

बाद में राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित राजाजी उत्सव में शिरकत की, जहां उन्होंने उनके जीवन और कार्यों पर आधारित फोटो और पुस्तक प्रदर्शनी का भ्रमण किया। राजाजी के जीवन पर एक फिल्म भी प्रदर्शित की गई। राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आनंद लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जब राजाजी गवर्नमेंट हाउस (जिसे अब राष्ट्रपति भवन के नाम से जाना जाता है) पहुंचे, तो उन्होंने अपने कमरे में रामकृष्ण परमहंस और महात्मा गांधी के चित्र स्थापित किए। राजाजी ने साफ संदेश दिया कि यद्यपि भारत औपचारिक रूप से अभी भी एक अधिराज्य था, स्वराज भारतीयों

के हृदयों में पूरी तरह से स्थापित हो चुका था। इस तरह उन्होंने मानसिक विऔपनिवेशीकरण का एक प्रेरक उदाहरण पेश किया। उनके आदर्श भारत की जनता द्वारा अपनाए गए राष्ट्रीय अभियान में परिलक्षित होते हैं, जिसका उद्देश्य भारत की विरासत पर गर्व करना और औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाना है।

राजाजी के विचारों और कार्यों में भारतीय चेतना और समस्त भारतीयों, खासकर कमजोर वर्गों के साथ जुड़ाव साफ दिखाई देता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पहले राष्ट्रपति भवन के गलियारों में भारत का शोषण करने वाले ब्रिटिश साम्राज्यवादी अधिकारियों की तस्वीरें लगी होती थीं। अब 'परम वीर दीर्घा' नामक गैलरी परम वीर चक्र विजेताओं के चित्रों से सुशोभित है। भारत की शास्त्रीय भाषाओं के ग्रंथों और पांडुलिपियों में संचित ज्ञान की महान परंपरा को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर की स्थापना की गई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रपति भवन "राष्ट्र का भवन" है और यह देश के नागरिकों का है। राष्ट्रपति भवन और शिमला, हैदराबाद और देहरादून स्थित अन्य राष्ट्रपति भवन उन सभी लोगों के स्वागत के लिए खुले हैं, जो भारत के लोकतंत्र की परंपराओं और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानना चाहते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के लोगों को अकाल और सूखे जैसी विपत्तियों का कई बार सामना करना पड़ा। आजादी के बाद भी हमारे नागरिकों को खाद्य संकट से जूझना पड़ा। देशवासियों के प्रति करुणा और किसानों को प्रेरित करने के लिए राजाजी ने राष्ट्रपति भवन परिसर के भीतर अनाज की खेती शुरू की। उन्होंने स्वयं खेत जोतकर एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। राष्ट्रपति ने कहा कि राजाजी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। विधि, स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक और आर्थिक सुधार, प्राचीन भारतीय ग्रंथ, तमिल और अंग्रेजी लेखन, कविता और संगीत, राजनीति और शासन में उनके योगदान ने इन क्षेत्रों को समृद्ध किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर देश का जोर राजाजी द्वारा वर्णित स्वराज के विचार को आगे बढ़ाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, राजाजी जैसे व्यक्तित्व हमें अपने विचारों और आदर्शों से प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी से राजाजी के सपनों को साकार करने के लिए उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि राजाजी के व्यक्तित्व और कार्यों से प्रेरित होकर भारत के लोग "राष्ट्र सर्वोपरि" की भावना के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

राजाजी उत्सव में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन, शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन शामिल थे।

भारतीय नौसेना में शामिल होगा तीसरा पोत अंजदीप

भारतीय नौसेना पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आठ युद्धपोतों वाली एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर

क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) परियोजना के तीसरे पोत अंजदीप को शामिल करने जा रही है। इस युद्धपोत को 27 फरवरी, 2026 को चेन्नई बंदरगाह पर पूर्वी नौसेना कमान में औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा।

इस समारोह की अध्यक्षता नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी करेंगे।

इस शुभारंभ समारोह से रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में राष्ट्र की तीव्र प्रगति का पता चलता है, क्योंकि एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट परियोजना स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण की सफलता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद किया

श्रम करने वालों की मुनाफे में भी हिस्सेदारी का नाम है सहकारिता

'भारत टैक्सी' का उद्देश्य 'सारथी' को कंपनी के मुनाफे का मालिक बनाना है

भारत टैक्सी सिर्फ एक Taxi योजना नहीं, चालक भाइयों-बहनों को सम्मान से 'सारथी' बनाने की पहल है

यह 'सारथी' शब्द अब सम्मान, स्वाभिमान का प्रतीक बनेगा

'भारत टैक्सी', कस्टमर और सारथी, दोनों में डिसिप्लिन लाकर सिविक सेंस को बढ़ावा देने का काम करेगी

टैक्सी कम्पनियों द्वारा कमीशन कम करना, यात्रियों को डिस्काउंट देना, 'भारत टैक्सी' की शक्ति का ही असर है, जिसका लक्ष्य चालकों, यात्रियों की सुविधा नहीं, अपने आप को बाजार में बनाए रखना है

भारत टैक्सी, सारथियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान का रास्ता तैयार करेगी

'भारत टैक्सी' के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सारथियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं

आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में 'भारत टैक्सी' होगी

'भारत टैक्सी' सारथियों को शेयर देकर मालिक बनाने के साथ-साथ

उसका बीमा और आसान लोन उपलब्ध कराने वाली पहली टैक्सी सर्विस बनेगी

सारथियों को हर जानकारी नोटिफिकेशन के माध्यम से उपलब्ध कराकर दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी 'भारत टैक्सी'

'भारत टैक्सी' की 'सारथी दीदी' सुविधा, महिला सारथियों को स्वावलंबी बनाएगी और महिला यात्रियों व सारथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी

'भारत टैक्सी' में शिकायत विंडो के माध्यम से सारथियों की सभी चिंताओं का समाधान होगा

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद किया।

संवाद के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जो श्रम कर रहा है, उसे ही मुनाफा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य टैक्सी के मालिक को धनी बनाना है और सारथी ही मालिक हैं। श्री शाह ने कहा कि सारथी भारत टैक्सी के मालिक हैं और मुनाफे में भी उनका हिस्सा होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में 'भारत टैक्सी' होगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी को देश की पांच बड़ी कोऑपरेटिव्स को मिलाकर खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि अब जैसे-जैसे सारथियों की संख्या बढ़ती जाएगी और जो भी सारथी इसमें पार्टनर बनना चाहेगा उसे 500 रूपए के शेयर लेने पर मालिकाना हक मिल जाएगा। श्री शाह ने कहा कि जब भारत टैक्सी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का चुनाव होगा, तब इसमें कुछ स्थान सारथियों के लिए भी आरक्षित रखे जाएंगे। जब सारथी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में आ जाएंगे तब वे स्वयं अन्य सारथियों के सभी हितों की रक्षा और चिंता करेंगे।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह बड़ा मुनाफा कमाना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य हमारे सारथी भाइयों

सम्पादकीय

बांग्लादेश से संबन्धों में पैदा हो चुकी दरार भरने की आस

बांग्लादेश में बीएनपी यानि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पाटा के सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने भारत के साथ संबन्धों को न सिर्प पटरी पर लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया बल्कि मुहम्मद यूनुस के शासनकाल में जिन कारणों से दोनों देशों के बीच संबन्धों में दरार पैदा हो गई थी उन्हें दूर करने का भारत को एहसास दिलाकर साबित कर दिया है कि भारत का पूवा पड़ोसी एक बार फिर पहले की तरह भरोसेमंद साबित हो सकता है।

दरअसल भारत और बांग्लादेश के बीच वीजा सेवा बहाल करने के पैसले के बाद अब अगरतला-कलकत्ता-ढाका मैत्री बस सेवा 24 फरवरी से बहाल करने का पैसला हुआ है। यह बहाली बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता लौटने और दोनों देशों के बीच विश्वास व सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी के कारण यूनुस सरकार के समय कई छोटे-छोटे मुद्दे भी विकराल रूप धारण कर चुके थे जिसके कारण दोनों के संबन्धों में तनाव पैदा हो चुके थे। यूनुस और उसके सहयोगी तो चाहते ही थे कि भारत और बांग्लादेश के सम्बन्ध बिगड़ें ताकि सीमा पर तनाव का बहाना बताकर चुनाव टाला जा सके और उनकी सरकार सत्ता से चिपकी रहे। किन्तु बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज जमां और भारत सरकार ने बड़ी समझदारी से यूनुस मण्डली के मंसूबों पर पानी पेर दिया। इस चुनाव में अच्छी बात यह हुई कि जो जमायते इस्लामी हमेशा बीएनपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती थी और सरकार में शामिल होती थी, वह उन्हीं छात्र संगठनों की पाटा नेशनल सिटीजन पाटा यानि एनसीपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ी जिनकी वजह से शेख हसीना की सरकार चली गईं और अवामी लीग के नेताओं और कार्यकताओं को प्रताड़ित होना पड़ा। चुनाव आते ही अवामी लीग के नेताओं और कार्यकताओं ने देश में राजनीतिक माहौल वापस लाने का एक अवसर देखा और उन्हें लगा कि जब उनकी पाटा पर यूनुस सरकार ने प्रतिबन्ध लगा दिया है तो वह खुद चुनाव लड़ने के बजाय बीएनपी को ही जिताने के लिए जुट जाएं। यही कारण है कि तारिक रहमान सरकार में जमायते इस्लामी, हिफाजते इस्लाम, एनसीपी के लोग नहीं हैं जो भारत के खिलाफ खुराफाती माहौल बनाने का प्रयास करें।

इस वक्त बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को लगता है कि देश चलाने के लिए भारत का सहयोग आवश्यक है। तारिक को इस बात का एहसास है जो कठमुल्ला राजनीति शेख हसीना के खिलाफ खड़ी थी, वही उनके खिलाफ भी खड़ी हो सकती है। इसीलिए उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि भारत से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण नहीं होता तब भी दोनों देशों के बीच सम्बन्ध खराब नहीं होंगे। दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए सभी क्षेत्रों में प्रयास होंगे।

सच तो यह है कि जब अवामी लीग पर प्रतिबन्ध लगा और फजा तरीके से उन्हें मौत की सजा सुना दी गई तभी भारत और बांग्लादेश की फौज तथा अवामी लीग और शेख हसीना को इस बात का एहसास हो गया कि अब ले देकर तारिक रहमान जो बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं को ही जिताना होगा ताकि लोकतंत्र को कठमुल्लों के हाथ में जाने से बचाया जा सके। मजे की बात तो यह है कि बांग्लादेश के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सत्ता से शेख हसीना के हटने के दिन से ही सतर्व और सव्रिय हैं। तारिक रहमान ब्रिटेन में रह रहे थे और वहीं पर शेख हसीना की छोटी बहन शेख रेहाना की बेटी टूलिप सिद्दीक जो सत्ताधारी लेबर पाटा की सांसद हैं और पहले वित्त सचिव भी रह चुकी हैं से उनके अच्छे सम्बन्ध हैं। तारिक रहमान का शेख हसीना परिवार के प्रति अनावश्यक कटुता से बचने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है और यही भारत के लिए अवसर है। इसी अवसर को ध्यान में रखते हुए अब भारत अपने पूवरेत्तर राज्यों के सम्पर्व चिकन नेक के मात्र 22 किमी चौड़ाईं को 60 किमी करने पर एक रणनीतिक योजना बना रही है।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026 का 25 फरवरी को केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे उद्घाटन

'विकसित कृषि-आत्मनिर्भर भारत' थीम पर 25-27 फरवरी तक आयोजित होगा पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026

रोबोटिक्स, एआई और डिजिटल एग्रीकल्चर के संगम के साथ इस मेले में एक लाख किसान होंगे शामिल

(जीएनएस)।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (कअफक्र), नई दिल्ली में 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026' को लेकर आज एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव ने बताया कि आगामी 25 से 27 फरवरी 2026 तक पूसा परिसर स्थित मेला ग्राउंड में 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय मेले का उद्घाटन 25 फरवरी को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। मेले के समापन दिवस यानी 27 फरवरी को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कअफक्र के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव ने कहा कि इस वर्ष मेले की थीम "विकसित कृषि-आत्मनिर्भर भारत" है जो किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सतत, जलवायु-अनुकूल एवं आय-केंद्रित कृषि विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि मेले में देशभर से एक लाख से अधिक किसानों के शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026 में कअफक्र, कउअफ के अन्य संस्थानों और विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के 200 से

Dr. Ch. Srinivasa Rao

अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले के दौरान आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों पर किसान भाई बहनों को जागरूक करने के लिए क्वेश्चन-आंसर सेशन का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरी लोग वर्टिकल फार्मिंग को कैसे सहज तरीके से अपना सकते हैं इसके लिए लोगों को शिक्षित किया जाएगा ताकि शहरों में रहने वाले लोग घरों की बालकनी जैसे सीमित क्षेत्र में प्रभावी ढंग से सब्जियां उगा सकें।

मेले में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और डिजिटल एग्रीकल्चर जैसे भविष्योन्मुखी विषयों पर विशेष सत्र आयोजित होंगे, जहाँ किसान विशेषज्ञों के साथ प्रश्न-उत्तर सत्र के माध्यम से अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे। बता दें कि 2026 'अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' है इसलिए महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों (रत्नक्ष्ह) को उद्यमिता और स्टार्टअप की दिशा में प्रेरित करने के लिए तीन दिवसीय मेले में विशेष कार्यक्रम रखे गए हैं जिससे उन्हें मूल्य संवर्धन (श्'ॐी अर्ि्इङ्ल्ल), प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के नए अवसरों से जोड़ा जा सके।

डॉ. राव ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में खेती को सिर्फ 'खाद्य सुरक्षा' तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे 'पोषण सुरक्षा' और 'वेल्थ क्रिएशन' (धन सृजन) का मुख्य आधार बनाना होगा। इस दिशा में किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रदर्शनी का आयोजन यहां मेले में किया जाएगा।

उन्होंने भारत के 60 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष के कृषि निर्यात का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि इस आंकड़े को और बढ़ाया जा सके। साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में छात्रों की पढ़ाई और

पंजाब नैशनल बैंक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान IIT कानपुर के सहयोग से 'पीएसबी हैकाथॉन 2026' का शुभारंभ किया

क्वांटम-रेडी बैंकिंग प्रणालियों की ओर एक राष्ट्रीय मिशन म

23 फरवरी 2026: देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों मे से एक पंजाब नैशनल बैंक ने वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन और भारतीय बैंक संघ के समन्वय में, पीएसबी हैकाथॉन 2026 के शुभारंभ की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। ढठइ के एक वार्षिक राष्ट्रीय आयोजन के रूप में स्थापित यह प्रमुख पहल, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत के छात्र समुदाय की नवाचार क्षमता का लाभ उठाने का लक्ष्य रखती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर के साथ अपने रणनीतिक सहयोग को जारी रखते हुए, ढठइ 2026 में आगामी पीढ़ी के 'साइबर रेजिलिएंस' (साइबर सुदृढ़ता) पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी हैकाथॉन श्रृंखला आयोजित करेगा। इस वर्ष का विषय—" क्वांटम-प्रूफ सिस्टम्स फॉर पब्लिक-फेसिंग एप्लिकेशन्स"—भारत के डिजिटल वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को क्वांटम खतरों से तैयार करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

यह उल्लेखनीय है कि हैकाथॉन के पूर्ववर्ती संस्करण में देशभर के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों की व्यापक भागीदारी देखी गई थी। टीमों ने "कोड अगेंस्ट मालवेयर" विषय के तहत बैंकिंग सुरक्षा की वास्तविक चुनौतियों पर काम किया था, जो विशेष रूप से रैनसमवेयर खतरों से निपटान के लिए अभिनव समाधान प्रस्तुत किए । इस पहल को भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के भीतर अपनी तरह का पहला सहयोगात्मक प्रयास माना गया। उल्लेखनीय है कि, पिछले साल के हैकाथॉन के दौरान विकसित कई नवाचारी प्रोटोटाइप वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में अपनाने के लिए मूल्यांकन के अधीन हैं, जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच संरचित सहयोग के महत्व को पुष्ट करते सशक्त परिणामों को दशार्ता हैं।

पीएसबी हैकाथॉन 2026 एक सॉफ्टवेयर-आधारित क्रिप्टोग्राफिक स्कैनर विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसे क्वांटम-प्रतिरोधी सिफर्स के कार्यान्वयन को मान्य करने

और सार्वजनिक-उपयोग वाले अनुप्रयोगों के लिए एक व्यापक 'क्रिप्टोग्राफिक बिल ऑफ मैटेरियल्स' (CBOM) तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रस्तावित समाधान बैंकिंग इकोसिस्टम के अंतर्गत वेब सर्वर, एपीआई और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल इंटरफेस पर क्रिप्टोग्राफिक जोखिम का आकलन करेगा। इस पहल के माध्यम से, पीएनबी का लक्ष्य पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी मूल्यांकन में स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा देना और स्केलेबल उपकरण बनाना है जो सार्वजनिक अनुप्रयोगों में प्रणालीगत सुदृढ़ता को बढ़ाते हैं।

यह हैकाथॉन सम्पूर्ण भारत के मान्यता प्राप्त कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित सभी छात्रों के लिए आयोजित है। सहभागिता करने वाली टीमों में कम से कम तीन और अधिकतम चार सदस्य होने चाहिए। समग्र और नवीन समाधान विकसित करने के लिए साइबर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (टछ) और सॉफ्टवेयर विकास में विशेषज्ञता रखने वाली बहु-विषयक टीमों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए, विजेता टीमों को ₹11 लाख तक के पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस पहल का उद्देश्य युवा नवाचारियों को राष्ट्रीय बैंकिंग सुरक्षा में सीधे योगदान देने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करना है।

क्वांटम कंप्यूटिंग वैश्विक वित्तीय क्षेत्र के लिए एक तकनीकी उपलब्धि और एक रणनीतिक साइबर सुरक्षा चुनौती, दोनों का प्रतिनिधित्व करती है। पीएसबी हैकाथॉन 2026 के माध्यम से, पीएनबी सक्रिय रूप से क्रिप्टोग्राफिक तत्परता का आकलन करने, पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफिक मानकों को अपनाने, बढ़ावा देने और भविष्य के क्वांटम-सक्षम जोखिमों के विरुद्ध भारत की सार्वजनिक बैंकिंग प्रणालियों को सुरक्षित करने हेतु सक्षम स्वदेशी समाधान बनाने के लिए प्रयासरत है। यह पहल साइबर सुरक्षा में भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है और नवाचार-संचालित राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति पीएनबी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है।

पीएसबी हैकाथॉन 2026 हेतु पंजीकरण आधिकारिक पीएनबी हैकाथॉन पोर्टल पर किया जा सकता है। डेटासेट, मेंटरशिप शेड्यूल और मूल्यांकन मानदंड हैकाथॉन रूलबुक में जारी किए जाएंगे। पीएनबी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इससे संबन्धित अपडेट उपलब्ध कराये जाएँगे । इस हैकाथॉन से संबंधित किसी भी प्रकार की नवीनतम जानकारी पीएनबी के सोशल मीडिया मंचों पर भी उपलब्ध रहेगी। अतिरिक्त जानकारी हेतु आधिकारिक ई मेल पर संपर्क किया जा सकता है।

भारतीय बैंकिंग को क्वांटम-सुरक्षित बनाना - एक साथ मिलकर

'एक दिन' के पहले ट्रैक के लिए आमिर खान पहुंचे अरिजीत सिंह के होमटाउन मुर्शिदाबाद, आमिर खान प्रोडक्शंस ने रिलीज किया स्पेशल वीडियो

'एक दिन' के पहले ट्रैक के लिए आमिर खान पहुंचे अरिजीत सिंह के होमटाउन मुर्शिदाबाद, आमिर खान प्रोडक्शंस ने रिलीज किया स्पेशल वीडियो

अरिजीत सिंह के होमटाउन पहुंचे थे आमिर खान, 'एक दिन' के फर्स्ट सॉन्ग पर मेकर्स ने शेयर किया सरप्राइज वीडियो

मुम्बई आमिर खान के काम करने के खास अंदाज को दिखाते हुए, उन्होंने 'एक दिन' के पहले गाने की रिकॉर्डिंग के लिए खुद अरिजीत सिंह के होमटाउन मुर्शिदाबाद का दौरा किया। इसी के साथ 'आमिर खान प्रोडक्शंस' ने एक स्पेशल वीडियो भी रिलीज किया है, जिसमें अरिजीत सिंह की बेहद खूबसूरत आवाज में गाया हुआ यह गाना सुनाई दे रहा है।

आमिर खान ने अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट की खबरों के बीच उनसे मिलकर उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाया। ये सारी अटकलें तब खत्म हुईं जब आमिर ने एक पोस्टर शेयर किया और अरिजीत का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने 'आमिर खान प्रोडक्शंस' की अगली फिल्म 'एक दिन' के लिए अपनी आवाज दी है। इस फिल्म में जुनैद खान और साई पल्लवी लीड रोल में हैं। आमिर खुद अरिजीत के होमटाउन मुर्शिदाबाद गए थे और वहां उनके परिवार के साथ चार दिन रुके, ताकि उन्हें रिटायरमेंट के बारे में दोबारा सोचने के लिए मना सकें और फिल्म में गाने की पर्सनल रिक्वेस्ट कर सकें। देश के सबसे बड़े और चहेते सिंगर्स में से एक, अरिजीत की इमोशनल आवाज वही थी जो आमिर इस रोमांटिक कहानी के लिए चाहते थे।

अरिजीत और आमिर ने फिल्म के पहले गाने पर साथ मिलकर बारीकी से काम किया है। उनकी इसी मेहनत का नतीजा है 'एक दिन' का यह रूह को छू लेने वाला टाइटल ट्रैक। इसके दिल छू लेने वाले बोल और संगीत इसे

प्यार का एक सदाबहार गाना बनाते हैं। गाने के स्पेशल वीडियो में मुर्शिदाबाद के सादगी भरे और प्यारे बिहाइंड-द-सीन (BTS) पल दिखाए गए हैं। इसमें आमिर हर छोटी-बड़ी चीज में शामिल नजर आ रहे हैं, वो अरिजीत और पूरी टीम के साथ चर्चा कर रहे हैं, गाइड कर रहे हैं और गाने को एक खास रूप दे रहे हैं, जो इस मेल को वाकई यादगार बनाता है।

अपनी कहानी कहने के बारीक और सलीके वाले अंदाज के लिए मशहूर, आमिर का यह खुद काम में जुट जाने वाला समर्पण एक बार फिर दिखाता है कि उन्हें इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन क्रिएटिव दिमागों में से क्यों गिना जाता है। एक प्रोड्यूसर और अपने बेटे के सफर को सपोर्ट करने वाले पिता के रूप में, पर्दे के पीछे उनकी यह शांत लगन 'एक दिन' को एक अलग ही गहराई देती है, जिससे यह फिल्म और भी ज्यादा पर्सनल और खास लगने लगती है।

'एक दिन' के जरिए आमिर खान और फिल्ममेकर मंसूर खान एक लंबे ब्रेक के बाद फिर से साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक की वापसी हो रही है। इन दोनों ने मिलकर दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी कभी न भूलने वाली फिल्में दी हैं। अब 'एक दिन' के साथ यह जोड़ी वापस रोमांस के जॉनर में लौट रही है, जिससे फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट है। इनका एक बार फिर साथ आना लोगों की उत्सुकता को और बढ़ा रहा है, क्योंकि हर कोई देखना चाहता है कि इस बार ये स्क्रीन पर क्या जादू बिखेरते हैं।

'आमिर खान प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं। इस फिल्म को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है, जबकि आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित इसके प्रोड्यूसर हैं। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यूनियन बैंक द्वारा मुंबई क्लाईमेट वीक में प्रतिभागिता एवं योगदान

23 फरवरी, 2026 : यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने मुंबई क्लाईमेट वीक (एमसीडब्ल्यू) 2026 में सहभागिता की है, जो जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने के लिए ग्लोबल साउथ सिटी-नेतृत्व वाला मंच है, जिसका आयोजन जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बीकेसी, मुंबई में किया गया.

बैंक ने भारतीय उद्योग के लिए महत्वाकांक्षा को निवेश योग्य कार्रवाई में बदलने में मदद करने के लिए प्रमुख थिंक टैंक (विचारकों) के साथ संयुक्त रूप से विकसित तीन लीडरशिप दस्तावेजों का भी अनावरण किया.

इस्पात एवं सीमेंट क्षेत्र का कार्बन उत्सर्जन कम करना (जीआईजेड, जर्मन अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज उन क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए तकनीकी मार्ग, कार्यान्वयन कार्यनीति, परिपक्वता स्तर, कम कार्बन वाली तकनिकियां और वित्तपोषण तंत्र प्रस्तुत करता है जहां कार्बन उत्सर्जन कम करना कठिन है.

परिवर्तन आयोजना हेतु जलवायु परिदृश्य मॉडलिंग (सीईईडबल्यू, ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज भारत के लिए विशिष्ट जलवायु परिदृश्य विकसित करने हेतु जीसीएएम (ग्लोबल चेंज एनालिसिस) मॉडल का उपयोग करने में बैंक के अग्रणी कार्य को रेखांकित करता है. यह दस्तावेज जलवायु जोखिम एवं अवसर विश्लेषण में मॉडल के उपयोग तथा परिवर्तन आयोजना में इसके एकीकरण को सम्मलित करता है.

परिचालनात्मक कार्बन उत्सर्जन कम करना और नेट-जीरो रोडमैप (ई एंड वाई, अर्न्स्ट एंड यंग के साथ संयुक्त रूप से विकसित). यह दस्तावेज विस्तार से बताता है कि बैंक अपने नेट जीरो 2035 (स्कोप 1 और 2) प्रतिबद्धता को परिचालन, कार्यनीति और प्रक्रियाओं में कैसे शामिल कर रहा है.

उपरोक्त के अतिरिक्त, बैंक ने क्षमता निर्माण के लिए "भारतीय बैंकों के लिए ईएसजी प्रमाणन कार्यक्रम" नामक एक उद्योग-अग्रणी प्रमाणन शुरू किया है, जिसे बैंक ने सीपीआई (जलवायु नीति पहल) के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया है.

बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले क्षेत्रों के परिवर्तन पर "यूनियन बैंक जलवायु संवाद" का आयोजन किया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों, थिंक टैंक (विचारकों), विनियामकों, वित्तीय संस्थानों, निवेशकों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों ने सहभागिता की है. संवाद के दौराम कम कार्बन तकनीकों, उपलब्ध डेटा से संबंधित चुनौतियों, नीतिगत अपेक्षाओं, विनियामक विकास, मांग पक्षीय दबाव और परिवर्तन हेतु उपलब्ध वित्तीय साधनों पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया गया.

2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए गुणवत्ता ही कुंजी है : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'शून्य दोष, शून्य प्रभाव' के विजन को भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने का मूल आधार बताया; उन्होंने कहा कि 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए गुणवत्ता ही कुंजी है

2 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को उच्च गुणवत्ता वाला उत्पादक बनना होगा: श्री गोयल

38 विकसित देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से को कवर करते हैं; श्री गोयल ने उद्योग जगत से उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ बाजार पहुंच का लाभ उठाने का आग्रह किया

श्री पीयूष गोयल ने विनिर्माण इको सिस्टम में गुणवत्ता को संस्थागत रूप देने के लिए पांच-स्तंभ रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की

गुणवत्ता सम्मेलन में क्षेत्र-विशिष्ट परामर्श और गुणवत्ता मंथन संवादों के माध्यम से 20 से अधिक शहरों, 14 समूहों और 50 से अधिक नियामकीय निकायों को शामिल किया गया

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज इस बात पर बल दिया कि गुणवत्ता भारत के विनिर्माण और निर्यात तंत्र का मूलमंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का "शून्य दोष, शून्य प्रभाव" का विजन अमृत काल में भारत के विकास की आधारशिला बनेगा। श्री गोयल ने इस पहल को प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ते हुए कहा कि 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा तीन स्तंभों पर टिकी है - शून्य दोष (गुणवत्ता), शून्य प्रभाव (स्थिरता) और समान अवसर (समावेशिता)।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के सहयोग से आयोजित पहले राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्री गोयल, जो वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए, ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश केवल उपभोक्ता बनकर प्रगति नहीं कर सकता; उसे उच्च गुणवत्ता वाले सामान और सेवाओं के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्पादक के रूप में अपनी पहचान स्थापित करनी होगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ब्रांड इंडिया गुणवत्ता, विश्वसनीयता और भरोसे का प्रतीक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पिछले चार वर्षों से विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था रहा है और अगले दो से ढाई वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी वाला देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश का 2 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात लक्ष्य - जिसमें अगले छह से सात वर्षों के भीतर 1 ट्रिलियन डॉलर का सामान और 1 ट्रिलियन डॉलर की सेवाएं शामिल हैं - केवल उच्च गुणवत्ता मानकों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

श्री गोयल ने भारत की बढ़ती व्यापारिक पहुंच पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले तीन से साढ़े तीन वर्षों में 38 विकसित देशों के साथ हुए नौ मुक्त व्यापार समझौतों के तहत अब वैश्विक जीडीपी और व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा शामिल है। उन्होंने कहा कि ये समझौते वस्त्र, चमड़ा, जूते और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में नए अवसर खोलते हैं, बशर्ते भारतीय उत्पाद लगातार उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा

करते रहें। उन्होंने दोहराया कि प्रतिस्पर्धी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में भी वैश्विक व्यापार में भारत की वर्तमान हिस्सेदारी अभी भी कम है, और उन्होंने उद्योग जगत से इन समझौतों के माध्यम से सृजित नए बाजार पहुंच अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

श्री गोयल ने पूर्व की चुनौतियों को याद करते हुए कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं को कभी "निर्यात गुणवत्ता" वाले उत्पादों की तलाश करनी पड़ती थी, जो दोहरी गुणवत्ता वाली व्यवस्था को दशार्ता था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी संस्कृति को पूरी तरह से बदलकर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए एक समान और उच्च मानकों को लागू करना आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और समूहों में व्यापक परामर्श के माध्यम से गुणवत्ता का संदेश जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की सराहना की।

श्री गोयल ने गुणवत्ता को संस्थागत रूप देने के लिए पांच स्तंभों वाली कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक के चरण-विशेष रूप से वस्त्र जैसे क्षेत्रों में अपव्यय को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यबल का कौशल विकास और पुनः कौशल विकास; प्रतिस्पर्धात्मकता तथा पर्यावरणीय परिणामों में सुधार के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अंतर विश्लेषण और बेंचमार्किंग करना; देरी तथा लागत को कम करने के लिए परीक्षण और प्रमाणन प्रोटोकॉल को सुव्यवस्थित करना; तथा विनिर्माण समूहों में आधुनिक, स्वचालित परीक्षण सुविधाओं के माध्यम से साझा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना- में स्पष्ट रूप से परिभाषित मानक संचालन प्रक्रियाओं के सख्त अनुपालन और निरंतर निरीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री गोयल ने आश्वासन दिया कि उच्च गुणवत्ता वाले परीक्षण बुनियादी ढांचे की स्थापना में धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने उद्योग जगत को निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के तहत अंतरराष्ट्रीय स्वीकृतियों और अनुपालन आवश्यकताओं, जिनमें रीच विनियम, सीबीएएम सत्यापन, एसपीएस और टीबीटी उपाय, और अन्य गैर-टैरिफ बाधाएं शामिल हैं, के लिए सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी सहायता से सूक्ष्म और लघु उद्यमों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में विशेष रूप से लाभ होगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट में देरी पर प्रदर्शन:5 महीने बाद भी नहीं आया अंतिम परिणाम, लखनऊ पहुंचे 397 अभ्यर्थी

लखनऊ। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का अंतिम परिणाम जारी न होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्य परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पांच महीने बाद भी परिणाम घोषित न होने पर 397 अभ्यर्थियों ने आयोग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने सोमवार सुबह ही लखनऊ पहुंचकर पिकअप भवन के सामने प्रदर्शन किया।

मुख्य परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन के बाद भी अटका परिणाम

अभ्यर्थियों के अनुसार, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट (प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2023) के तहत विज्ञापन संख्या-09/24 की मुख्य परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद आयोग ने सफल अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराया, जो 26 सितंबर 2025 तक पूर्ण हो गया।

अभ्यर्थियों का कहना है कि चयन प्रक्रिया की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं,

इसके बावजूद अंतिम चयन परिणाम अब तक घोषित नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि परिणाम में अनावश्यक देरी से अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

अभ्यर्थियों ने विभूतिखंड स्थित अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के ऑफिस पहुंचकर प्रदर्शन किया।

अभ्यर्थियों ने विभूतिखंड स्थित अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के ऑफिस पहुंचकर प्रदर्शन किया।

मानसिक तनाव और भविष्य की योजनाएं प्रभावित

अभ्यर्थियों ने आयोग के सचिव को संबोधित पत्र में कहा है कि पांच माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अंतिम परिणाम घोषित न होने से वे मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने अन्य रोजगार के अवसर भी इस भर्ती के भरोसे छोड़ दिए थे।

उनका कहना है कि नियुक्ति में हो रही देरी के कारण आर्थिक और पारिवारिक योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों का समय देने के बाद अब परिणाम का इंतजार उन्हें असमंजस की स्थिति में डाल रहा है।

अभ्यर्थी आयोग के कार्यालय पर सुबह-सुबह इकट्ठा हो चुके थे।

हमारा हक दो' के नारों के साथ प्रदर्शन का ऐलान

अभ्यर्थियों ने लखनऊ में एकत्र होकर अपनी मांग रखने का निर्णय लिया है। पोस्टर और ज्ञापन में 'हमारा हक दो', '397 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट जल्द जारी करो' और 'विज्ञापन संख्या 09/2024 का अंतिम परिणाम शीघ्र घोषित करो' जैसे नारे लिखे गए हैं।

कुछ ही देर में अधिकारियों ने अभ्यर्थियों की मुलाकात आयोग के सचिव से कराई। सचिव ने आश्वासन दिया कि मार्च-अप्रैल के बीच में रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसके बाद अभ्यर्थियों को लौटा दिया गया है।

इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन 1 & 2.0 के विनर्स का नाम अब गूगल पर रैंक करेगा

लखनऊ, इंडियास बिगेस्ट टीवी रियलिटी शो, इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो & इंडिया सुपर मॉडल सीजन 2.0 इस बार का ग्रैंड फिनाले बहुत बड़ा होने वाला है जो की एक नेशनल शो बन चुका है नाइस फिल्म प्रोडक्शन के फाउंडर एंड डायरेक्टर & सिंगर अजीत श्रीवास्तव का कहना है सीजन 2.0 ग्रैंड फिनाले में विनर्स अपनी एक अलग पहचान होगी आने वाले समय में ग्रैंड फिनाले 2026 मई लखनऊ में होने वाला है इसकी डेट अभी निश्चित नहीं है लेकिन यह निश्चित है कि ग्रैंड फिनाले मई में होगा इसकी प्लानिंग अभी से ही तैयारी स्टार्ट हो चुकी है इस बार ग्रैंड फिनाले में हाई लेवल का म्यूजिक वीडियो विनर्स के लिए ऑफर होंगे जो कि बड़े-बड़े प्लेटफार्म पर लॉन्च किए जाएगा इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो सीजन 1 जो भी वायदे किए गए थे लगभग पूरा हो चुका है

सीजन वन की कई एल्बम्स लॉन्च हो चुके हैं जैसे जिसे आप इंस्टाग्राम पर देखा जा सकता है यूट्यूब पर देखा जा सकता है 150 से ज्यादा प्लेटफार्म पर लॉन्च किया जा चुका है एप्पल म्यूजिक जियो सावन हंगामा ऐसे कई प्लेटफार्म पर गाने सुन सुना जा सकता है और अब सीजन 2.0 के विनर के लिए कुछ खास ऑफर होंगे जैसे उनके नाम गूगल पर रैंक करेगा आप उनके नाम गूगल पर खोज सकते हैं उनकी बायोग्राफी पढ़ सकते हैं जो की सेलिब्रिटी कैटेगरी में आते हैं सीजन 2.0 की डेट बहुत जल्द अनाउंसमेंट की जाएगी

ओवरलोड वाहनों को लेकर गंभीर आरोप, थाना सैनी और थाना कड़ा धाम क्षेत्र में अवैध वसूली की चर्चा

कौशांबी ` जनपद कौशांबी के थाना सैनी और थाना क्षेत्र में ओवरलोड ट्रैक्टर एवं डंपरों के संचालन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि कथित रूप से ओवरलोड बालू से लदे ट्रैक्टर और ट्रकों को निर्धारित धनराशि लेकर पास किया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

बताया जा रहा है कि अटसराय चौराहा से पथराव मार्ग की ओर बालू से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर और डंपर खुलेआम फरार्टा भरते देखे जा सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग का यह खेल दिन-रात जारी है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि लगातार ओवरलोड वाहनों के संचालन से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।समाचार लिखे जाने तक पुलिस एवं संबंधित विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

नायब तहसीलदार की मनमानी कार्यवाही ने कानून व्यवस्था पर खड़े कर दिए सवाल

दीवानी न्यायालय से मकान के बेदखली का आदेश न होने के बाद भी मकान को खाली करवा कर दूसरे को कब्जा दिलवाने पहुंचे नायब तहसीलदार

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के रामपुर धमावा गांव के मजरा गौराहार में शनिवार की देर शाम 20 साल पुराने मकान में कब्जा खाली करवा कर दूसरे पक्ष को मकान का कब्जा दिलवाने पहुंचे राजस्व अधिकारी वा पुलिस टीम पर ईट पत्थर फेके गए हैं जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई जबकि किसी भी दीवानी न्यायालय से मकान को खाली करने का आदेश नहीं मिला है किसी दूसरे को मकान कब्जा दिलाने का भी आदेश दीवानी न्यायालय से नहीं मिला है लेकिन फिर भी नायब तहसीलदार ने दीवानी न्यायालय के क्षेत्र का अतिक्रमण कर मकान से एक पक्ष को बेदखल करवा कर दूसरे पक्ष को कब्जा करवाने मौके पर पहुंच गए हैं जो विवाद का कारण बन गया है नायब तहसीलदार की मनमानी कार्यवाही ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है नायब तहसीलदार की गलत नीतियों के चलते एक बार फिर कानून व्यवस्था की किरकिरी हो रही है सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गांव में भारी पुलिस फोर्स और पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं मामले में 16 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है और आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है गांव में तनाव की स्थिति व्याप्त है किस दबाव में नायब तहसीलदार ने कानून की धज्जियां उड़ा कर मनमानी तरीके से मकान का कब्जा दिलवाने पहुंचे हैं यह बड़ी जांच का विषय है।

जानकारी के मुताबिक जय सिंह पुत्र धुन्नी लाल ने तहसील के अधिकारियों से शिकायत किया कि 20 साल पुराने उनके मकान का झूलनी पत्नी दयाशंकर ने ताला तोड़कर कब्जा कर लिया है जबकि झूलनी देवी के पक्ष का कहना है कि उसे पट्टे पर जमीन मिली और उसने पट्टे की जमीन पर मकान बनाया है शनिवार की शाम नायब तहसीलदार अतुल कुमार लेखपाल वा पुलिस को साथ लेकर झूलनी को मकान से बेदखल कर जय सिंह को मकान में कब्जा दिलवाने गए थे नायब तहसीलदार की मनमानी का लोगों ने वीडियो बनाना शुरू किया तो नायब तहसीलदार और उनकी टीम के लोगों ने ग्रामीणों से मोबाइल फोन छीन लिया है वीडियो नहीं बनने दिया है एक तरफ अधिकारियों का कहना है कि मौके की वीडियो बनाओ जिससे मौके का सबूत मिले और दोषियों पर कार्रवाई हो लेकिन तानाशाही पूर्ण कार्यवाही करने वाले नायब तहसीलदार ने गांव के लोगों को वीडियो बनाने नहीं दिया उनका मोबाइल छीन लिया है जिससे उनकी तानाशाही का अंदाजा लगाया जा सकता है नायब तहसीलदार से आक्रोशित ग्रामीणों ने ईट पत्थर फेंक दिया ईट पत्थर फेके जाने के बाद पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा का ग्रामीणों को लाठियों से पीटा कुछ गुनहगार पीटे गए कुछ बेकसूर भी पीटे गए हैं लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की तो नायब तहसीलदार और पुलिस ने लोगों के मोबाइल फोन छीन लिए हैं एक तरफा कार्यवाही ने नायब तहसीलदार पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं पुलिस ने 16 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया 8 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया नायब तहसीलदार का कहना है कि झूलनी का मकान बंजर भूमि पर बना है तो फिर जय सिंह की शिकायत पर झूलनी देवी के मकान को नायब तहसीलदार खाली करवा कर जय सिंह को मकान में कब्जा दिलवाने क्यों पहुंचे थे दूसरी तरफ नायब तहसीलदार का यह बयान कि बंजर जमीन में झूलनी का मकान बना है तो बीते 20 वर्षों से तैनात तहसील के अधिकारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि बंजर की जमीन पर यदि मकान बना था तो 20 वर्षों से तहसील के अधिकारी क्या कर रहे थे और यदि जय सिंह का मकान ताला तोड़कर कब्जा किया गया था तो बिना किसी सक्षम न्यायालय के निर्देश के नायब तहसीलदार मकान कब्जा करवाने कैसे पहुंच गए क्या 20 साल से मकान में निवास करने वाले लोगों के मकान को बिना सुनवाई किए खाली करवा कर दूसरे को कब्जा दिलवाने का अधिकार नायब तहसीलदार को है नियम कानून की बात करें तो मकान में कब्जा करने के बाद दीवानी न्यायालय में बेदखली का मुकदमा दाखिल होता है और दीवानी न्यायालय के आदेश के बाद मकान से कब्जा खाली होता है लेकिन दीवानी न्यायालय के क्षेत्र का अतिक्रमण कर सुपर पावर बनकर नायब तहसीलदार एक पक्ष से मकान खाली करवा कर दूसरे पक्ष को कब्जा दिलवाने का ठेका लेकर पहुंच गए हैं नायब तहसीलदार की करतूत तो गुंडे माफियाओं के कारनामों को भी पीछे छोड़ गई है पुलिस का कहना है कि मकान कुर्क करने नायब तहसीलदार गए थे बयान में विरोधाभास इन अफसरों की कार्यवाही पर सवाल खड़ा कर रहा है तनावपूर्ण स्थिति देखकर भारी पुलिस फोर्स और पीएसी के जवान गांव में तैनात किए गए हैं लेकिन सवाल उठता है कि क्या कानून के विपरीत काम करने वाले नायब तहसीलदार के कारनामों पर बड़े अफसर जांच करके नायब तहसीलदार को दंडित करेंगे और बेगुनाहों को कानून का संरक्षण देंगे और गुनहगारों पर कानून का चाबुक चलाएंगे।

चम्पहा बाजार: कथित रूप से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया लेखपाल

रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

जनपद कौशाम्बी के थाना पश्चिम शरीरा क्षेत्र अंतर्गत चम्पहा बाजार में एक लेखपाल को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, चम्पहा बाजार में तैनात लेखपाल महेंद्र मौर्य को एक मिठाई की दुकान पर बैठकर पैसे लेते समय क्राइम टीम ने रंगे हाथों हिरासत में लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लेखपाल के विरुद्ध पहले से ही अवैध वसूली की शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच की टीम अचानक मौके पर पहुँची और कार्रवाई करते हुए उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टीम की गाड़ी पर 'सीओ' लिखा हुआ था।घटना की खबर बाजार में फैलते ही हड़कंप मच गया। लोग आपस में चर्चा करते नजर आए और पूरे क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।मौके पर लेखपाल की मोटरसाइकिल (नंबर: वढ 73 अञ्ञ 5006) खड़ी मिली, जिसकी चाबी मिठाई दुकान के मालिक को सौंप दी गई। पुलिस द्वारा वाहन को थाना भेजने की बात कही गई है।

हालांकि, क्राइम टीम द्वारा जल्दबाजी में आरोपी को ले जाने के कारण विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक, मोटरसाइकिल और मौके की तस्वीरें साक्ष्य के रूप में सामने आई हैं।अब देखना यह होगा कि क्राइम ब्रांच टीम इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करती है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं। क्षेत्रीय लोगों में इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चचाएं जारी हैं।

प्रतिबंधित प्रजाति की लकड़ी सहित पिकअप वाहन जब्त, दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गेरिया गांव में प्रतिबंधित प्रजाति के नीम के पेड़ों की अवैध कटान का मामला सामने आया है। रविवार को दिनदहाड़े लगभग 4 से 5 नीम के पेड़ों को काटकर उनकी लकड़ी पिकअप वाहन में लादकर बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लकड़ी से लदे पिकअप वाहन (रजिस्ट्रेशन नंबर वढ 71इळ 3983) को पकड़ लिया। वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की गई।

वन विभाग की पूछताछ के दौरान अवैध कटान में अनीश पुत्र रईस, निवासी ग्राम हकीमपुर खंतवा तथा मनीष पुत्र स्वर्गीय बांकेलाल, निवासी ग्राम हरदासपुर के नाम सामने आए।

दोनों आरोपियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा 4 तथा इमारती लकड़ी एवं वन उपज से संबंधित अधिनियम की धारा 3 एवं 8 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। साथ ही जब्त की गई लकड़ी को सीज करने की कार्रवाई की गई है।

वन क्षेत्राधिकारी विवेक शुक्ला ने बताया कि प्रतिबंधित पेड़ों की कटान की सूचना मिलने पर विभागीय टीम मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि संबंधित लोग बगीचे में प्रतिबंधित पेड़ों को काटकर लकड़ी बिक्री के लिए ले जा रहे थे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वनों और प्रतिबंधित प्रजाति के वृक्षों के साथ छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी।

क्षेत्रीय सम्मेलन के बाद एटक शाखा अनपरा की क्षेत्रीय कमेटी का चुनाव उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के मुख्य महामंत्री महेन्द्र राय की देखरेख में संपन्न

अनपरा (सोनभद्र)। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ (एटक) शाखा- अनपरा, का क्षेत्रीय सम्मेलन रविवार को ऑपरेटिंग स्टाफ मनोरंजन केंद्र अनपरा में संपन्न हुआ। जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष कामरेड अजय कुमार सिंह ने एटक का झंडा फहराकर किया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अनपरा तापीय परियोजना 'अ' एवं 'ब' के महाप्रबंधक इं. दूधनाथ ,विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (प्रशासन) इं. निखिल चतुर्वेदी, मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के प्रांतीय मुख्यमहामंत्री का. महेन्द्र राय, अन्य वक्ता का०. प्रदीप कन्नौजिया महामंत्री उत्पादन निगम कमेटी, का०. ज्योति कुमार रावत जिला अध्यक्ष वितरण खण्ड सोनभद्र, का० अजीत साहू अध्यक्ष ओबरा कमेटी, का० अशोक ठाकुर अध्यक्ष पिपरी जल विद्युत परियोजना, का० रवि कुमार क्षेत्रीय मंत्री पिपरी जल विद्युत परियोजना के साथ साथ अन्य कर्मचारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं जैसे बेहतर चिकित्सा,

कर्मचारियों की भर्ती, पदोन्नति, श्रमिक पद पर भर्ती नियम संशोधन, पनकी परिविस्तरित कर्मचारियों की वापसी,समस्त भत्तों, उत्पादन भत्ता, कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं , सिविल अनुरक्षण, सड़कों की मरम्मत और अन्य मुद्दों पर अपनी राय रखी एवं उत्पादन निगम को और नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए कटिबद्धता प्रकट किया। मुख्य वक्ता का० महेन्द्र राय ने विस्तार से संगठन एवं ऊर्जा विभाग के बारे में अपना वक्तव्य रखा। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा कहा गया कि सम्मेलन कर्मचारियों की एकजुटता और अपनी पहचान को दशार्ता है मुख्य अतिथि ने कहा कि आप सभी कर्मचारियों अधिकारियों की कार्यकुशलता के कारण ही अनपरा तापीय परियोजना को उत्पादन का उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। महाप्रबंध द्वारा संगठन को आश्वस्त किया गया कि जो भी क्षेत्रीय समस्याएं हैं धीरे-धीरे सभी का समाधान कराया जाएगा। सम्मेलन में ही उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ शाखा अनपरा की क्षेत्रीय कमेटी का चुनाव उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के मुख्यमहामंत्री का० महेन्द्रराय की देखरेख में संपन्न हुआ,जिसमें अनपरा शाखा कमेटी के संरक्षक शैलेन्द्र सिंह, अध्यक्ष- श्रीकांत, क्षेत्रीय मंत्री- पंकज सिंह, अतिरिक्त मंत्री- सुनील यादव,कार्य० अध्यक्ष कृष्णकांत सिंह,कोषाध्यक्ष- प्रवीण कुमार यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष- अभिषेक द्विवेदी, प्रदीप कुमार मौर्य, उपाध्यक्ष- रविंद्र कुमार,विनय मौर्य, अनिल सिंह, दिनेश चौरसिया, प्रभात चंद्र पाठक, उपमंत्री- धीरज पाल,जितेंद्र प्रजापति, राजेश शर्मा राहुल सिंह शक्ति प्रकाश संगठन मंत्री- सतीश कुमार पटेल सुरेंद्र वर्मा, सुमित कुमार, दिनेश विश्वकर्मा, अशोक बिंद आदि पदाधिकारी को सर्वसम्मति से चुने गए। उपरोक्त के साथ-साथ 20 कार्यकारिणी सदस्यों का गठन किया गया। सम्मेलन का समापन का० शैलेन्द्र सिंह अध्यक्ष अनपरा तापीय परियोजना ने किया।

कौशांबी: अवैध कब्जा हटाने गई टीम पर हमले में 8 गिरफ्तार

कौशांबी ` जनपद में सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं जानलेवा हमला करने के मामले में सैनी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बताया गया कि 21 फरवरी को ग्राम गौरहार मजरा रामपुर धमावा में अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व टीम एवं पुलिस टीम पर आरोपियों द्वारा पथराव किया गया था, जिससे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।सैनी कोतवाली प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के तहत सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस के अनुसार मामले में गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।
रिपोर्ट पवन कुमार चारवा कौशांबी

जनपद न्यायाधीश ने मेगा वृहद विधिक सहायता व सेवा शिविर का दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

जनपद न्यायाधीश ने स्वयं सहायता समूहों को रुपए-3 करोड़ 76 लाख 50 हजार धनराशि का डमी चेक किया प्रदान

जनपद न्यायाधीश ने लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड एवं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत प्रमाण-पत्र किए वितरित

कौशाम्बी। जनपद न्यायाधीश जे.पी. यादव ने रविवार को जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सामुदायिक निवेश निधि के तहत रुपए-3 करोड़ 25 लाख 50 हजार एवं रिवाल्विंग फंड के तहत रुपए- 51 लाख धनराशि का डमी चेक स्वयं सहायता समूहों को प्रदान किया, जिसके अंतर्गत कुल 4268 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं लाभान्वित होगी। इसी प्रकार उन्होंने सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन व इन-सी-टू योजना के अंतर्गत लाभार्थी पारसनाथ को रुपए 24 लाख एवं बच्ची देवी को रुपए 04 लाख का डमी चेक व ट्रैक्टर की चाभी प्रदान किया। उन्होंने ओ.डी.ओ.पी. टूलकिट योजना के अंतर्गत 05 लाभार्थियों को सिलाई मशीन का टूलकिट एवं सीएम युवा उद्यमी योजना के 05 लाभार्थियों को रुपए 05- 05 लाख ऋण का डमी चेक प्रदान किया।

जनपद न्यायाधीश ने आयुष्मान भारत योजना के 18 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण- पत्र प्रदान किया। उन्होंने दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, श्रवण मशीन व बैसाखी आदि उपकरण प्रदान किया।

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों को कराया गया अन्नप्राशन

कौशांबी कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया गया।विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल के माध्यम से जनकल्याणकारी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर आमजन को जागरूक किया गया तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग कर लाभ उठाया।

मेगा कैम्प में लाभ प्राप्त लाभार्थियों की संख्या- 5740

कौशांबी मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक सहायता एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाना है। आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे आमजन को अपने अधिकारों एवं योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सके। शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य,समाज कल्याण,महिला एवं बाल विकास,श्रम,कृषि सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया। इस मेगा कैम्प में लाभ प्रदान किये गये लाभार्थियों की संख्या- 5740 है। मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर उद्देश्य आमजन को त्वरित पारदर्शी व सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना है

आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, अधिकारों व कानूनों की दी गई जानकारी

कौशांबी विधिक सहायता प्रकोष्ठ द्वारा उपस्थित नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, अधिकारों एवं विभिन्न कानूनों के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही पात्र व्यक्तियों के आवेदन प्राप्त कर उनके समयबद्ध निस्तारण का आश्वासन दिया गया। आमजन से अपील की कि वे शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएँ तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित विभाग से संपर्क करें मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन को विशेष कर समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठाएं।इस कार्यक्रम में अपर जनपद न्यायाधीश नोडल अधिकारी मेगा कैम्प रमेश,विशेष न्यायाधीश एससी एसटी अमित मालवीय,अपर जनपद न्यायाधीश तृतीय शिरीन जैदी,अपर जनपद न्यायाधीश चतुर्थ कु0 फरीदा बेगम, विशेष न्यायाधीश पाकसो एक्ट अशोक श्रीवास्तव, अपर जनपद न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय द्वितीय पूर्णिमा प्रांजल,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सौम्यगिरी, सिविल जज (सी0डी0) अर्पित यादव,सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आस्था मिश्रा,सिविल जज (जु0डी0) मिक्की सिंह, जे0एम0 मनीष चौधरी,अपर सिविल जज (जु0डी0) हुमा, न्यायाधीश ग्राम न्यायालय हेमेंद्र सिंह, सिविल जज (जु0डी0)/त्वरित न्यायालय हेमन्त, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी संजय कुमार अपर जिलाधिकारी ओमप्रकाश एवं जिले के समस्त विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रयागराज दर्दनाक कक्षा दो की छात्रा फलीशा की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत नैनी जेल के सामने जिम्मेदार कौन ?

प्रयागराज #दर्दनाक #कक्षा #दो की #छात्रा #फलीशा की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत नैनी जेल के सामने जिम्मेदार कौन ? बता दे की छात्रा बेथानी स्कूल के लिए अपने मामा के साथ बाइक से जा रही थी तभी भारी वाहन की टक्कर सर दर्दनाक मौत हो गई या की वीडियो आपको विचलित कर सकता है इसलिए ब्लैक एंड व्हाइट और ब्लैक कर दिया है

और यहां पर यह प्रश्न यातायात विभाग और संबंधित अधिकारियों पर उठाता है स्कूल के सामने सीमेंटेड बैरिकेड बना दी गई है ? लोग दूर से घूम करने के चक्कर में उल्टा मार्ग चलते हैं ? ऐसे समय में भारी वाहन किस तरीके से सड़कों पर अनियंत्रित होकर चलते हैं आज फिर एक परिवार उसे मासूम की मृत्यु पर जिम्मेदारी तय करने के लिए बोल रहा

संत गाडगे महाराज की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

अनपरा (सोनभद्र)। उत्तर प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा, सोनभद्र द्वारा आज नगर स्थित चाचा नेहरू पार्क में संत गाडगे महाराज की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री सरजू बैसवार ने किया।

कार्यक्रम का संचालन अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री श्री पन्नालाल पासवान ने किया, जबकि कार्यक्रम के संयोजक श्री आलोक रावत जी रहे।

इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा शाहगंज के मण्डल अध्यक्ष यशवंत कोल, चुर्क मण्डल अध्यक्ष मोहन राम, डाला मण्डल अध्यक्ष नवीन भारती सहित दलित समाज के अनेक ग्रामीणजन एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संत गाडगे महाराज के सामाजिक सुधार, स्वच्छता अभियान, समानता एवं मानव सेवा के संदेशों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने तथा स्वच्छ और समरस समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आ'ान किया।

जिलाध्यक्ष श्री सरजू बैसवार जी ने अपने संबोधन में कहा कि संत गाडगे महाराज का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा संत गाडगे महाराज के बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

रमजान में दीन और हम क्लासेज का सिलसिला जारी

लखनऊ दीन और हम शॉर्ट टर्म रिलीजियस क्लासेस के अलमास लेवल 1 में मौलाना अली हादी जैदी साहब ने छात्रों को तौहीद (एकेश्वरवाद) के प्रारंभिक विषयों से अवगत कराया। इस क्लास में शिक्षक ने ईश्वर के अस्तित्व पर क्या तर्क है? तौहीद का क्या अर्थ है? ईश्वर की एक होने का क्या प्रमाण है? तौहीद के कितने प्रकार हैं? और इस तरह के अन्य सवालों के जवाब देते हुए रमजान के पवित्र महीने में बच्चों को धार्मिक ज्ञान से परिचित कराया। इन कक्षाओं में यह कोशिश की गई है कि बच्चों को सही धर्म से अवगत कराया जाए ताकि वे अपने जीवन में इसके माध्यम से धर्म पर चलकर सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ सकें। याद रहे कि इस पवित्र महीने में दीन और हम की कक्षाएं शहर के 6 अलग-अलग स्थानों यानी 2 कक्षाएं गोल्डन पैलेस अकबरी गेट, 2 कक्षाएं अलमास हॉल नैपियर रोड, 1 कक्षा मिलन हॉल दरगाह रोड और 1 कक्षा ऐन के पैलेस दरगाह रोड शाम 8 बजे से आयोजित की जा रही हैं। जो लोग इन कक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं, वे छात्र या अतिथि के रूप में कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं। इन कक्षाओं का आयोजन ऐन उल हयात ट्रस्ट और शहर की मुख्तलिफ तंजीम जिसमे हैदरी एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी, जमातुज जेहरा , ताहा फाउंडेशन और तंजील अकादमी और दीन और जिन्दगी के सहयोग से इस साल आयोजित हो रहा हैं

जात-पात भूलकर हिंदू समाज भगवा तले होगा एकजुट : जयसिंहपुरा बस्ती के भव्य हिंदू सम्मेलन में उमड़े हिंदू समाज के लोग

मथुरा (जीएनएस)। महानगर की जयसिंहपुरा बस्ती के भव्य हिंदू सम्मेलन में जात-पात को भूलकर हिंदू समाज में एकजुट होने का संकल्प लिया गया। सभी ने भगवा ध्वज के तले भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाने की शपथ ली। तमोली धर्मशाला, गणेश टीला रोड़ पर जयसिंहपुरा बस्ती का हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ राधेबाबा गोलोकधाम के महंत कन्हैया दास महाराज, साध्वी मीरा शास्त्री, मुख्य वक्ता विष्णु शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष किशन शर्मा और पार्षद राकेश भाटिया ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य वक्ता विभाग संयोजक गौसेवा गतिविधि विष्णु शर्मा ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है तथा समस्त हिंदू समाज को राष्ट्रहित में काम करना चाहिए। वहीं मातृशक्ति अतिथि ख्याति प्राप्त भागवत वक्ता एवं रामकथा मर्मज्ञ साध्वी मीरा शास्त्री ने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए समाज को संघ से जुड़ने का आ'ान किया। संत शक्ति अतिथि 1008 राधेबाबा गोलोकधर्म के महंत कन्हैया दास महाराज ने सेवा एवं गौसेवा के माध्यम से हिन्दू समाज को जागृत करने का संदेश दिया। इससे पूर्व क्षेत्रीय पार्षद राकेश भाटिया ने मंचासीन अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं तस्वीर भेंट करके स्वागत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष किशन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अध्यक्षीय आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम का संचालन आरएसएस के नगर कार्यवाह मनीष सिंघल ने किया। सम्मेलन में महानगर कार्यवाह विजय बंटा, सुमित अग्रवाल, वनबिहारी अग्रवाल, रवि शर्मा, गोविंदबिहारी, एडवोकेट, राजकुमार शर्मा, राजकुमार बघेल, राजकुमार गौतम, पुष्पेंद्र चौधरी, सुनील वर्मा, मुकेश दिवाकर, दीपक शर्मा, चंद्रप्रकाश, नीरज रावत, रोहित वर्मा, श्याम बघेल, सनी ठाकुर, विक्रांत गौड़, टीटू वर्मा, पवन शर्मा, अमर शर्मा और मिथुन सिंह आदि उपस्थित रहे।

हेमा मालिनी ने भीषण जाम और यमुना स्वच्छीकरण के लिए केंद्र से की विशेष पैकेज की मांग : संसदीय समिति की बैठक में मथुरा-वृंदावन के जाम और यमुना प्रदुषण का उठाया मुद्दा

मथुरा (जीएनएस)। सिने तारिका एवं सांसद हेमा मालिनी ने नई दिल्ली स्थित संसद एनेक्सी में आयोजित हुई नगर विकास संबंधी संसदीय समिति की बैठक में मथुरा की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक में सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम, कोसीकलां नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के कायाकल्प के लिए केंद्र सरकार से विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की। आयोजित बैठक में सांसद हेमा मालिनी ने वार्ता करते हुए मथुरा के विकास के लिए केन्द्र सरकार से विशेष आर्थिक पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मथुरा, धार्मिक नगरी होने के कारण वहां हर रोज श्रद्धालुओं का भारी दबाव रहता है, जिसके लिए बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण करना जरूरी है। बैठक में श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा की गंभीर समस्या बन चुके ट्रैफिक जाम और यमुना प्रदूषण के साथ ही नगर निगम तथा नगर पंचायतों की आवश्यकता, जैसे सड़कों निर्माण, जल निकासी और अन्य जन-समस्याओं के समाधान के लिए विस्तृत योजना प्रस्तुत की। बैठक में मथुरा-वृंदावन नगर निगम प्रशासन की ओर से नगर आयुक्त जग प्रवेश शामिल हुए। नगर आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र की वर्तमान मांगों और भविष्य के बजट की विस्तृत प्रस्तुति समिति के सामने रखी। इस संबंध में सांसद हेमा मालिनी के प्रतिनधि जनार्दन शर्मा ने बताया कि संसदीय समिति की अध्यक्षता कर रहे सांसद मंगता श्रीनिवास रेड्डी ने सांसद हेमा मालिनी द्वारा उठाए गए बिंदुओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि हेमा मालिनी, धार्मिक नगरी मथुरा की परिश्रमी सांसद हैं। कहा कि केन्द्र सरकार (जीएनएस)। धार्मिक नगरी मथुरा के विकास के लिए हरसंभव सहयोग करने के लिए तैयार है। बैठक में केंद्र सरकार के नगर विकास मंत्रालय के उच्चाधिकारी समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जनता की सेवा हमारा परम कर्तव्य: चंद्रभानु पासवान

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका परम कर्तव्य है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने परसौली स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे देवतुल्य जनता-जनार्दन ने सड़क, बिजली, पानी, पेंशन, राजस्व और अन्य स्थानीय समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। विधायक ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो और किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले की निगरानी कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें।

विधायक ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। जनसुनवाई कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

मातृभाषा में विज्ञान संचार हेतु द्वि-दिवसीय वैज्ञानिक आउटरीच कार्यक्रम का सफल शुभारंभ

लखनऊ, 23 फरवरी 2025: गुजरात सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत जीयूजेसीओएसटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में 21-22 फरवरी 2026 के को गुजरात साइंस सिटी में साइंस एजुकेशन एंड अवेयरनेस इन मदर लैंग्वेज विषय पर द्वि-दिवसीय वैज्ञानिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के प्रथम दिन दीप प्रज्वलन के साथ उद्घाटन किया गया। रंगोली इंटरनेशनल स्कूल, गांधीनगर के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। जीयूजेसीओएसटी के सलाहकार डॉ. नरोत्तम साहू ने मातृभाषा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी के जनरल मैनेजर डॉ. व्रजेश परिख ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता में विज्ञान एवं नवाचार के लिए भी विशेष पत्रकार होने चाहिए, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयों को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि

एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथमेटिक्स) के अंतर्गत नए शोध में प्रयुक्त शब्दों का मातृभाषा में अनुवाद आवश्यक है, ताकि आमजन वैज्ञानिक शब्दावली को सरलता से समझ सकें।

कार्यक्रम में अहमदाबाद विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित भौतिकी प्रोफेसर पंकज जोशी ने मुख्य व्याख्यान देते हुए 'मातृभाषा में विज्ञान संचार' विषय पर विचार साझा किए। तकनीकी सत्र-क के अंतर्गत आयोजित पैनल संवाद में डॉ. जे.जे. रावल, डॉ. संजय ठक्कर एवं डॉ. किशोर पंड्या ने गुजराती भाषा में विज्ञान को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर मार्गदर्शन दिया।

दोपहर बाद तकनीकी सत्र-2 में 'साइंस कम्युनिकेशनः मीन्स, मीडिया एंड मोड्स' विषय पर चर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. वी.बी. कांबले ने की। डॉ. डी.पी. पटेल, श्री त्रिलोक सांघाणी एवं डॉ. सुश्रुत पटेल ने विभिन्न माध्यमों से विज्ञान प्रसार के नए आयाम प्रस्तुत किए।

संध्या सत्र में प्रो. के.एन. जोशीपुरा द्वारा 'एक्सप्लेनिंग कॉम्प्लेक्स साइंस सिम्पली इन गुजराती लैंग्वेज' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। साथ ही पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए इंटरएक्टिव साइंस वॉक तथा वीडियो एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 'यूथ ऐज एम्बेसडर्स ऑफ मल्टीलिंगुअल साइंस' थीम के अंतर्गत वर्कशॉप सीरीज-क्क आयोजित की जाएगी, जिसमें स्पेस एप्लिकेशन्स सेंटर की पूर्व ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पारुल पटेल मातृभाषा में विज्ञान सामग्री सृजन पर मार्गदर्शन देंगी। साइंस कम्युनिकेशन लैबः फ्रॉम आइडिया टू इम्पेक्ट सत्र में डॉ. नरोत्तम साहू एवं उऊॠल्लं१ के संपादक श्री निशीथ जोशी व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।

अंत में वीडियो एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा कर प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

इस द्वि-दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं युवाओं में मातृभाषा में विज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। गुजरात साइंस सिटी एवं जीयूजेसीओएसटी द्वारा भविष्य में भी ऐसी पहल जारी रखी जाएगी।

राल की जनसभा में गूंजे 'काले कानून' यूजीसी के खिलाफ विद्रोह के सुर : महापंचाय में भाजपा को वोट न देने की ली सामूहिक शपथ

मथुरा (जीएनएस)। थाना जैंत क्षेत्र के गांव राल स्थित किसान इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित स्वर्ण समाज की महापंचायत में हजारों की संख्या में एकत्रित हुए सर्वण समाज के लोगों ने मोदी की केंद्र सरकार की नीतियों, खासकर यूजीसी के काले कानून के खिलाफ हल्ला बोलकर भाजपा के खिलाफ तीखी नाराजगी व्यक्त की। महापंचाय जुटे लोगों ने आगामी चुनावों में भाजपा की मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस बीच बरेली के निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि "वर्तमान सरकार द्वारा लाया गया यूजीसी कानून सीधे तौर पर स्वर्ण समाज के अस्तित्व को मिटाने की एक गहरी साजिश है। यह कानून भेदभावपूर्ण है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस "गंदे कानून" से लड़ने के लिए समाज को तन, मन और धन से एक सूत्र में बंधना होगा। उन्होंने एक बड़ा धमाका करते हुए घोषणा की कि वह जल्द धार्मिक नगरी वृन्दावन में एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे, जो विशुद्ध रूप से स्वर्ण समाज के हितों की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने महापंचायत में मौजूद हजारों लोगों को आगामी चुनावों में भाजपा को वोट न देने की शपथ भी दिलाई। वहीं क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा कि "देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लगातार स्वर्ण समाज की उपेक्षा की जा रही है तथा उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम उनकी ही भाषा में करारा जवाब दें। इस बीच बृजमंडल क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार ने कहा कि स्वर्ण समाज के वीरों अब कुम्भकर्णीय नींद से जागने का समय आ गया है। यदि आप आज भी इस काले कानून के खिलाफ चुप रहे, तो आने वाला जीवन नारकीय होगा। कहा कि यूजीसी का काला कानून लाने वाली भाजपा की मोदी सरकार को अपनी ताकत का अहसास कराना ही होगा। सभा में एक स्थानीय स्कूल की छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में विरोध की तख्तियां लिए इन छात्राओं ने यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिसने प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने एक सुर में यूजीसी का काला कानून वापस लो, के नारे लगाए। कार्यक्रम की शुरूआत महामण्डलेश्वर परमेश्वरी दास महाराज के सान्निध्य में हुई। आयोजकों ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया। सभी मुख्य वक्ताओं को संयुक्त रूप से 51 किलो की विशाल फूलमाला पहनाई गई। इसके अतिरिक्त सभी को पटुका, पगड़ी और ठाकुर बांकेबिहारी जी का छविचित्र भेंट करके सम्मानित किया गया। इस मौके पर विजयपाल सिंह, ओमप्रकाश, वीरेंद्र सिंह, मोती, दिनेश सिंह, डा. जगदीश सिंह गौर, नौहबत सिंह और देवेन्द्र सिंह समेत सैंकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने भ्रामक विज्ञापन के लिए कोचिंग संस्थान पर 15 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया

उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने के रूप में महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाना एक अपराध है अपराध पुनरावृत्ति पर अधिक दंड का प्रावधान है

(जीएनएस)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई), 2023 के संबंध में भ्रामक विज्ञापन जारी करने के लिए वाजिराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट पर 15 लाख रुपये का जुमार्ना लगाते हुए अंतिम आदेश पारित किया है। प्राधिकरण ने पाया कि संस्थान ने जानबूझकर अपने विज्ञापनों में महत्वपूर्ण जानकारी विशेष रूप से सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए विशिष्ट पाठ्यक्रम को छिपाया था।

संस्थान ने 16 अप्रैल, 2024 को परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद, यूपीएससी सीएसई 2023 के सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ निम्नलिखित दावे अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किएः "वाजिराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट से यूपीएससी सीएसई 2023 की 1016 रिक्तियों में से 645 से अधिक उम्मीदवारों का चयन हुआ है।" 'ऑल इंडिया रैंक के टॉप 10 में छठा स्थान' "शीर्ष 50 ऑल इंडिया रैंक में 35वें स्थान पर" "ऑल इंडिया रैंक की टॉप 100 रैंकिंग में 64वां स्थान"

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने गौर किया कि संस्थान ने उपरोक्त दावों को प्रकाशित करते हुए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विभिन्न पाठ्यक्रमों का विज्ञापन भी किया, जिनमें शामिल हैंः जीएस/पूर्ण पाठ्यक्रम/फाउंडेशन पाठ्यक्रम, प्री-फाउंडेशन पाठ्यक्रम, सप्ताहांत पाठ्यक्रम, वैकल्पिक विषय पाठ्यक्रम और जीएस प्री-कम-मेन्स पाठ्यक्रम।

इन प्रस्तुतियों ने उपभोक्ताओं के बीच एक भ्रामक धारणा पैदा कर दी कि सभी सफल उम्मीदवारों ने संस्थान द्वारा विज्ञापित इन नियमित पाठ्यक्रमों में दाखिला ले लिया था।

महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है

विज्ञापन में "महत्वपूर्ण जानकारी" क्या होती है, यह हर मामले में अलग-अलग होता है और इसका आकलन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। इस मामले में, सफल उम्मीदवार द्वारा चुना गया विशिष्ट पाठ्यक्रम उपभोक्ता यानी यूपीएससी परीक्षार्थी के लिए महत्वपूर्ण जानकारी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसी जानकारी संस्थान द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की प्रभावशीलता, दायरे और गुणवत्ता के बारे में संभावित उम्मीदवारों की धारणा को सीधे प्रभावित करती है। ऐसी जानकारी को छिपाने से यह गलत धारणा बनती है कि सफल उम्मीदवारों को संस्थान द्वारा परीक्षा के सभी चरणों, जिनमें प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार चरण शामिल हैं, में प्रशिक्षित किया गया था, जो तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हो सकता है।

जानबूझकर जानकारी छिपाने से उपभोक्ताओं को यह तय करने में कठिनाई होती है कि वे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के किस चरण में किस पाठ्यक्रम में दाखिला लें। सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए विशिष्ट पाठ्यक्रमों के बारे में सही और स्पष्ट जानकारी देने से उम्मीदवारों को शैक्षणिक निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी को छुपाना छिपाव के समान है और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(9) के अंतर्गत उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।

नामांकन अभिलेखों में विसंगतियां

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कार्यवाही के दौरान, संस्थान द्वारा प्रस्तुत सफल उम्मीदवारों के नामांकन प्रपत्रों की जांच की।

यह पाया गया कि 431 नामांकन प्रपत्रों में उन पाठ्यक्रमों का उल्लेख नहीं था जिनके लिए छात्रों ने नामांकन किया था।

इसके अलावा, इन नामांकन प्रपत्रों में उन्हें भरने की तिथि भी अंकित नहीं थी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने संस्थान के समक्ष इन विसंगतियों का मुद्दा उठाया। हालांकि, कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। संस्थान अपने दावों को प्रमाणित करने के लिए शुल्क रसीदें या अन्य प्रासंगिक अभिलेख जैसे सहायक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में भी विफल रहा। इस प्रकार की जानकारी का अभाव और सहायक दस्तावेजों की अनुपस्थिति ने प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत दस्तावेजों के संबंध में विज्ञापनों में किए गए दावों की प्रामाणिकता और

छाता पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित पिल्होरा माइनर के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह और चौकी प्रभारी केडी मेडीकल कॉलेज ललित चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अकबरपुर-नौगांव रोड़ पर पिल्होरा माइनर की पटरी पर एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह और चौकी प्रभारी ललित चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर देवराज पुत्र देवेन्द्र कुमार निवासी नौगांव थाना छाता को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 2 सौ 60 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।